



CS
16/875

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड ३—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. १५५]

नई दिल्ली, सोमवार, मई २४, १९८२/ ज्याईष्ठ ३, १९०४

No. १५५]

NEW DELHI, MONDAY, MAY 24, 1982/JYAISTA 3, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के लिए रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

स्वास्थ और परिवार कल्याण मंत्रालय
(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, २४ मई, १९८२

सांकेतिक ४२२(अ):—खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, १९५५ का और संशोधन करने के लिए कलिपय नियमों का प्राप्त खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम, १९५४ (१९५४ का ३७) की धारा २३ की उपधारा (१) द्वारा यथा अपेक्षित भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) की अधिसूचना सं. सांकेतिक ६७४(अ) तारीख २६ विसम्बर, १९८१ के अधीन भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग २—खण्ड ३, उपखण्ड (i) पृष्ठ १९४७-१९४८ पर प्रकाशित किया गया था, जिसमें उस सारीष से जिसको उस राजपत्र की प्रतियां जिसमें उक्स अधिसूचना प्रकाशित की गई थी जनता को उपलब्ध करा थी गई थीं पैतालीस दिन की समाप्ति के पूर्व उन सभी व्यक्तियों से आपेक्ष और सुधार मांगे गए थे, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना थी;

और उक्त राजपत्र की प्रतिया २५ विसम्बर, १९८१ को जनता को उपलब्ध करा थी गई थी;

और केन्द्रीय सरकार ने प्राप्त नियमों की बाबत प्राप्त आवेदों और मुझावों पर विचार कर लिया है;

अतः, केन्द्रीय सरकार, खाद्य मानक केन्द्रीय समिति से परामर्श करने के पश्चात् उक्त अधिनियम की धारा २३ की उपधारा (१) द्वारा प्रदत्त

नियमों का प्रयोग करते हुए, खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, १९५५ का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

(१) इन नियमों का संक्षिप्त नाम खाद्य अपमिश्रण निवारण (खतुर्थ संशोधन) नियम, १९८२ है।

(२) ये राजपत्र में प्रकाशन की सारीष को प्राप्त होंगे।

२. खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, १९५५ के नियम २ के खण्ड (३) के उपखण्ड (३) के पश्चात् निम्नलिखित उपखण्ड अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

(३) (४) गोलाम्बाई कारखाने या उपस्कर कारखाने की दशा में ऐसे कारखाने या उपस्कर कारखाने या दोनों का महाप्रबन्धक'

[सं. पी० १५० १४/१२/८१-पी एन (एक एप्ल एन)/पी एन ०] सी०वी०एस० मणी, अपर सचिव

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE
(Department of Health)

New Delhi, the 24th May, 1982

G.S.R. 422 (E).—Whereas certain draft rules further to amend the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, were published as required by Sub-Section (1) of section 23 of the Prevention of Food Adulteration Act, 1954 (37 of 1954), with the notification of Government of India in the Ministry of Health and Family Welfare (Department of Health) No.

G.S.R. 674(E) dated the 26th December, 1981 at pages 1947-1948 in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i), inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby before the expiry of fortyfive days from the date on which copies of the Gazette of India in which the said notification was published were made available to the public;

And whereas, the copies of the said Gazette were made available to the public on the 26th December, 1981;

And whereas the objections and suggestions received from the public or the draft rules have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 23 of the said Act, the Central Government, after consultation with Central Committee for Food Standards, hereby makes the following further to

amend the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, namely :—

RULES

1. (1) These rules may be called the Prevention of Food Adulteration (Fourth-Amendment) Rules, 1982.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, in Rule 2, in clause (e), after sub-clause (iii), the following sub-clauses shall be inserted, namely :—

"(iv) in the case of an ordnance factory or equipment factory, the General Manager of such factory or equipment factory or both".

[No. P. 15014|12|81-PH(F & N) PFA]

C. V. S. MANI, Additional Secy.